This question paper contains 8+3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

4629

B.A. (Prog.)/II C

(T)

HINDI DISCIPLINE—Paper II

हिंदी अनुशासन— प्रश्नपत्र II

(हिंदी गद्य विधाएँ, उपन्यास और गद्य

साहित्य का इतिहास)

(प्रवेशवर्ष 2004 2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के

विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

P.T.O.

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) दुख की श्रेणी में प्रवृत्ति के विचार से करुणा का उल्टा क्रोध है : क्रोध जिसके प्रति उत्पन्न होता है उसकी हानि की चेष्टा की जाती है । करुणा जिसके प्रति उत्पन्न होती है उसकी भलाई का उद्योग किया जाता है ; किसी पर प्रसन्न होकर भी लोग उसकी भलाई करते हैं । इस प्रकार पात्र की भलाई की उत्तेजना दुख और आनन्द दोनों की श्रेणियों में रखी गई है । आनन्द की श्रेणी में ऐसा कोई शुद्ध मनोविकार नहीं है जो पात्र की हानि की उत्तेजना करे; पर दुख की श्रेणी में ऐसा मनोविकार है जो पात्र को उत्तेजित करता है । लोभ से, जिसे मैंने आनंद की श्रेणी में रखा है, चाहे कभी-कभी और व्यक्तियों और वस्तुओं को हानि पहुँच जाए पर जिसे जिस व्यक्ति या वस्तु का लोभ होगा, उसकी हानि वह कभी न करेगा ।

अथवा

चित्रगुप्त ने कहा– 'महाराज, आजकल पृथ्वी पर इस प्रकार का व्यापार बहुत चला है । लोग दोस्तों को फल भेजते हैं और उसे रास्ते मे ही रेलवेवाले उड़ा लेते हैं । हौज़री के पार्सलों के माँज़े रेलवे के अफसर पहनते हैं । मालगाड़ी के डब्बे-के-डब्बे रास्ते में कट जाते जाते हैं । एक बात और हो रही है । राजनैतिक दलों के नेता विरोधी नेता को उड़ाकर कहीं बंद कर देते हैं । कहीं भोलाराम के जीव को भी तो किसी विरोधी ने मरने के बाद खराबी करने के लिए नहीं उड़ा दिया ?' 8

(ख) एक छोटी सी पठिया फुदकती हुई आकर चमेली की ताजा नरम-नरम पत्तियों को ताबड़-तोड़ नोचने और चबाने लगी । उस दिन तक मुझमें वह कलात्मक प्रवृत्ति नहीं जागी थी कि उस नन्हें खूबसूरत जानवर का

वह फुदकना, अपने लंबे कानों को फट-फटाते हुए पत्तियों का वह नोचना, फिर चौकन्नी आँखों से इधर-उधर देखते हुए लगातार मुँह चलाना और जब-तब, शायद माँ की याद में, में-में चिल्ला उठना—मैं विस्मय-विमुग्ध होकर देखता-सुनता रहा । उस दिन तो सबसे बड़ी ममता थी उस चमेली पर, जिसकी कलम मैं दूर के गांव से लाया था, जिसे अपने हाथों रोपा और सींचा था और जिसकी एक-एक पत्ती देखकर मैं फूला नहीं समाता था ।

अथवा

वह दुर्बल तथा बूढ़े आदमी थे, इसलिए उनसे तेज क्या दौड़ा जाता, वह पैरों में फुर्ती लाने के लिए अपने हाथों को इस तरह भाँज रहे थे, जैसे कोई रोगी, मरियल लड़का अपने साथियों के बीच खेल-कूद के दौरान में कोई हल्की-फुल्की शरारत करने के बाद तेजी से दौड़ने के लिए गर्दन को झुकाकर हाथों को चक्र की भाँति

घुमाता है । उनके पैर थप-थप की आवाज के साथ प्लेटफार्म पर गिर रहे थे, और उनकी हरकतों का उनके मुख पर कोई विशेष प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं हो रहा था, बस यही मालूम होता कि वह कुछ परेशान हैं । प्लेटफार्म पर एकत्रित लोगों का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो गया । कुछ लोगों ने मौज में आकर जोर से ललकारा, कुछ ने किलकारियाँ मारीं और कुछ लोगों ने दौड़ के प्रति उनकी तटस्थ मुद्रा को देखकर बेतहाशा हँसना आरंभ किया । 8

2. (क) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(*i*) 'मज़दूरी और प्रेम' निबंध में लेखक ने मज़दूरी को भक्ति के समान क्यों माना है ?

(*ii*) 'अशोक के फूल' में लेखक ने भारतीय संस्कृति में अशोक का क्या महत्व बताया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(*iii*) 'तूफानों के बीच : अदम्य जीवन' के आधार पर बताइए कि अकाल के बावजूद बंगाल के लोगों में जीने की शक्ति किस रूप में दृष्टिगत होती है ।

(*iv*) बिबिया का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(*v*) 'सूखी डाली' में परिवार के विघटन के कारकों का पता लगाइए ।

(*vi*) 'ब्रेख्त और एक उदास नगर' में लेखक ने ब्रेख्त का परिचय किस रूप में दिया है ?

(*vii*) 'ठाकुर का कुआँ' में वर्णित दलितों की स्थिति पर प्रकाश डालिए ।

(*viii*) 'वापसी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

(ख) किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×1=3

(*i*) 'मज़दूरी और प्रेम' में लेखक ने नास्तिकता किसे कहा है ?

(*ii*) 'ब्रेख्त और एक उदास नगर' के आधार पर बताइए कि आइसलैंडी को किन दो चीज़ों के प्रति गहरा लगाव है ?

(*iii*) 'ठाकुर का कुआँ' की नायिका का नाम बताइए ।

(*iv*) 'अशोक के फूल' के अनुसार रवीन्द्रनाथ ने भारतवर्ष को क्या कहा है ?

(*v*) 'सूखी डाली' के लेखक का नाम बताइए ।

(*vi*) 'वापसी' कहानी में किसकी वापसी होती है ?

(*vii*) बिबिया कौन थी ?

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

(*i*) तीन घंटे और गुज़र गये । द्वादशी के चाँद ने अपना विश्व-दीपक बुझा दिया । प्रभात की शीतल-समीर प्रकृति को मद के प्याले पिलाती फिरती थी । आधी रात

तक जागने वाला बाज़ार भी सो गया । केवल रमा अभी तक जाग रहा था । मन में भाँति-भाँति के तर्क-वितर्क उठने के कारण वह बार-बार उठता था और फिर लेट जाता था । आखिर जब चार बजने की आवाज़ कान में आयी, तो घबराकर उठ बैठा और कमरे में जा पहुँचा । गहनों का सन्दूकचा आलमारी में रखा हुआ था; रमा ने उसे उठा लिया, थरथर काँपता हुआ नीचे उतर गया । इस घबराहट में उसे इतना अवकाश न मिला कि वह कुछ गहने छाँटकर निकाल लेता । (गबन)

(*ii*) रमानाथ के सामने एक नयी समस्या आ खड़ी हुई, पहली से कहीं जटिल, कहीं भीषण । संभव था, वह अपने को कर्तव्य की वेदी पर बलिदान कर देता, दो-चार साल की सज़ा के लिए अपने को तैयार कर लेता । शायद इस समय उसने अपने आत्म-समर्पण का निश्चय कर लिया था; पर अपने साथ जालपा को भी संकट में

डालने का साहस वह किसी तरह न कर सकता था । वह पुलिस के पंजे में कुछ इस तरह दब गया था कि अब उसे बेदाग़ निकल जाने का कोई मार्ग न दिखायी देता था । उसने देखा कि इस लड़ाई में मैं पेश नहीं पा सकता । पुलिस सर्वशक्तिमान् है, वह मुझे जिस तरह चाहे दबा सकती है । उसके मिज़ाज से तेजी गायब हो गयी । (गबन)

(*iii*) उसके बाद आँखों के सामने वे बड़े-बड़े मैदान तैर गए जो स्कूल जाते समय बस में से दूर-दूर दिखाई देते हैं । मैदान के दूसरे सिरे पर बनी हुई पहाड़ियाँ, जिनके पीछे से सूरज निकल-डूबकर दिन और रात करता है । कौन जाने उन पहाड़ियों की तलहटी में कोई साधू बैठा हो, जिसके पास जादू की खड़ाऊँ हों, जादू का कमंडल हो । एक बार जाकर ज़रूर देखना चाहिए, पर जाए कैसे ? (आपका बंटी)

(iv) बंटी पापा के साथ ताँगे में बैठा तो मन एकदम हल्का होकर दूसरी ओर को दौड़ गया । पापा को देखकर ममी को कैसा लगेगा ? एकदम खुश हो जाएँगी । वह खींचकर पापा को अंदर ले जाएगा और ममी का हाथ, पापा का हाथ मिला देगा—चलो कुट्टी खत्म । फिर ममी और वह मिलकर पापा को जाने ही नहीं देंगे । सोते, घूमते-फिरते कितनी बार मन हुआ था कि ममी की बात करे । पापा से वह सब पूछे, जो ममी से नहीं पूछ पाता है । पर पापा का चेहरा देखता और बात भीतर ही घुमड़कर रह जाती । पर पापा को साथ लाकर और दोस्ती की बात सोच-सोचकर उसका मन थिरकने लगा ।

(आपका बंटी)

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 12

(i) जालपा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(*ii*) 'गबन' उपन्यास में स्वाधीनता आंदोलन की अनुगूंज है—इस कथन पर युक्तियुक्त विचार कीजिए ।

(*iii*) 'आपका बंटी' उपन्यास की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए ।

(*iv*) 'आपका बंटी' उपन्यास में अजय के चरित्र की विशेषताएँ बताइए ।

5. उपन्यास **अथवा** संस्मरण का विकासात्मक परिचय दीजिए । 10

6. आत्मकथा **अथवा** रिपोर्ताज की विकास-यात्रा को रेखांकित कीजिए । 10